अर्हम्

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मण्डल

समय सीमा : 3 घंटा तेरापंथ दर्शन (वर्ष : 2015) दिनांक 21.12.2015

तृतीय वर्ष : द्वितीय प्रश्न पत्र पूर्णांक – 100

प्र.1 किन्हीं चौदह प्रश्नों के उत्तर एक या दो वाक्य में दीजिए। 14

आचार्य भिक्षु की अनुशासन शैली (किन्हीं सात प्रश्नों के उत्तर दें)

(क) संघ का प्राणतत्त्व क्या है? (ख) दुःख मुक्ति का एकमात्र उपाय क्या है?

(ग) व्यक्ति का दृष्टिकोण सम्यक कब बनता है?

(घ) ''पुरिसा अत्ताणमेव अभिणिगिज्झ, एवं दुक्खा पमोक्खसि'' इस कथन का अर्थ लिखें।

(ङ) संगठन की दृढ़ता के प्रमुख तत्त्व कौन–कौन से हैं?

(च) तेरापंथ का अनुशासन क्या है?

(छ) जयाचार्य ने किस संविधान को आधार बनाकर मर्यादा महोत्सव का सूत्रपात किया?

(ज) तेरापंथ धर्मसंघ में महिलाओं की पहली दीक्षा कब हुई?

(झ) जैनशासन में कितनी शैलियाँ प्रचलित हैं? नाम लिखें।

आचार्य भिक्षु के विचारों की प्रासंगिकता (कोई सात प्रश्नों का उत्तर दें)

(ञ) आयारों में अहिंसा धर्म का स्वरूप क्या है?

(ट) सूत्रकृतांग सूत्र में आचार्य भद्रबाहु ने लोकोत्तर धर्म के कितने भेद किए हैं? नाम लिखें।

(ठ) आचार्य भिक्षु के मतानुसार चरम मुक्ति के शुद्व साध्य की प्राप्ति के साधन क्या हैं?

(ड) भगवान महावीर ने आत्मोन्नति के कितने व कौन–कौन से मार्ग बताए हैं?

(ढ) संविधान में निर्मित मर्यादाएँ सार्थक कब बनती हैं?

(ण) डा. आइन्स्टीन के अनुसार एक वैज्ञानिक किसके प्रति आस्थावन होता है?

(त) भगवती सूत्र में गणधर गोतम ने भगवान महावीर से अपने प्रश्नों का समाधान किस शैली में किया?

(थ) गोशालक पर तेजोलेश्या का प्रयोग किसने किया?

आचार्य भिक्षु की अनुशासनशैली – 23

प्र.2 किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दो या तीन वाक्यों में दीजिए। 5

(क) शास्त्रों में विनीत व अविनीत की परिभाषा का निर्धारण किस आधार पर किया गया है?

(ख) आचार्य भिक्षु प्रदत्त वे कौन से संस्कार हैं जिनके कारण तेरापंथ धर्मसंघ आचार्य केन्द्रित धर्मसंघ बन गया?

(ग) भगवान महावीर ने धर्मशासना के लिए कितने कौन–कौन से पदों का निर्धारण किया?

प्र.3 किसी एक प्रश्न का उत्तर 100 से 150 शब्दों में दीजिए। 6

(क) ठाणं सूत्र में वर्णित संघ मुक्त साधना की अर्हताओं का वर्णन करें।

(ख) ''गुरु बनाते हैं चेतना को अर्न्तमुखी'' घटना प्रसंग द्वारा सिद्ध करें।

प्र.4 ''आचार्य भिक्षु एक कुशल मनोवैज्ञानिक थे।'' घटना प्रसंगों द्वारा स्पष्ट करें। 12

'अथवा'

संघ में दलबंदी की समस्या को रोकने के लिए आचार्य भिक्षु ने क्या उपाए किए?

आचार्य भिक्षु के विचारों की प्रासंगिकता – 23

प्र.5 किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दो या तीन वाक्य में दीजिए – 5

(क) साधन–साध्य के विकल्प कौन–कौन से हैं? तथा आचार्य भिक्षु के मतानुसार कौनसा विकल्प आध्यात्मिक धर्म के लिए उपयुक्त है?

(ख) आंशिक संयमी किसे कहते हैं? उसका खाना किसमें आता है?

(ग) संघ में दोष निराकरण के कितने प्रकार हैं? संक्षेप में लिखें।

प्र.6 100 से 150 शब्दों में एक प्रश्न का उत्तर दीजिए। 6

(क) आचार्य भिक्षु के विचारों की शाश्वत मूल्यवता के पीछे मुख्य कारण क्या थे?

(ख) ठाणं सूत्र के अनुसार धर्म के दस रूपों का विवेचन करें।

प्र.7 ''निर्बल को बचाने के लिए सबल प्राणी की हिंसा आध्यात्मिक दृष्टि से कदापि क्षम्य नहीं है?'' आचार्य भिक्षु, गांधीजी व अन्य विचारकों के विचारों से स्पष्ट करें। 12

'अथवा'

तेरापंथ में संघ पृथक्करण का क्या विधान है तथा उनके लिए पालनीय नियम कौन–कौन से हैं? लिखें।

अनुकम्पा की चौपाई – 30

प्र.8 किन्ही पांच प्रश्नों के उत्तर एक या दो वाक्य में दें। 5

(क) अपश्चिम मारणांत्तिक संलेखना के अतिचारों का नाम लिखें।

(ख) तीनों काल के तीर्थंकरों की वाणी क्या है?

(ग) हिंसा किसके लिए की जाती है?

(घ) चेटक और कोणिक के युद्ध का वृतान्त कौन–कौन से सूत्रों में मिलता है?

(ड.) अनगार किसे कहते हैं?

(च) गृहस्थ के जीने मरने की इच्छा क्यों नहीं करनी चाहिए?

प्र.9 ''जीव जीते हैं वह दया नहीं है, मरते हैं वह हिंसा नहीं है। मारने वाले को हिंसा होती है जो नहीं मारता है वह दयावान है।'' ढ़ाल 5 के आधार पर स्पष्ट करें। 10

'अथवा'

कर्मों के अनुसार जीव जन्मते हैं और मर जाते हैं। उनके असंयत जीवन के लिए साधु उपाय नहीं करते। क्यों? ढ़ाल 4 के दृष्टांतों द्वारा स्पष्ट करें।

प्र.10किन्हीं दो पद्यों की सप्रसंग व्याख्या करें। 15

(क) मछ गलागल मंडरही, सारा दीप समुद्रां माय रे।
भगवंत कहे जो इंद्र नें, तो थोड़ा में दीये मिटाय रे।।

(ख) दरवे भावे लाय लागी, तिण मांहे केयक वैरागी।
तिणरी अनुकंपा आवे, उपदेश देई समझावे।।

(ग) साध नें लब्द न फोडणीजी, कह्योसूतर भगोती रे मांय।
पिण मोह कर्म वस राग थी जी, लीयौ गोसालो वचाय।।

(घ) दुखिया–दोरा देख दलद्री, अणुकंपा उणरी किण आंणी।
गाजर मूलादिक सचित खवांवै, वले पावे काचो अणगल पांणी।।

भिक्षुवाणी – 10

प्र11 किन्हीं तीन विषयों पर पद्य लिखें। 10

(क) असाधु (ख) हिंसा और धर्म (ग) भगवद्वाणी (घ) परख

(ङ) कुगुरु